



उग्रवादी युग और स्वदेशी आंदोलन



1 उग्रवादी राष्ट्रवाद का उदय



1905
आरंभ



1919
व्यापक संदर्भ

- **समयावधि:** सामान्यतः 1905 के बाद का चरण; व्यापक राजनीतिक संदर्भ में 1919 तक।
- **मुख्य उद्देश्य:** स्वराज, राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक शासन का सक्रिय विरोध।
- उग्रवादी नेताओं ने उदारवादियों की **प्रार्थना, याचिका और प्रतिवेदन** की नीति को अपर्याप्त माना।
- **प्रमुख साधन:** स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और निष्क्रिय प्रतिरोध।

2 उग्रवाद के उदय के कारण



आर्थिक शोषण



कर्जन की नीतियाँ



उग्रवाद का उदय

- **आर्थिक शोषण:** धन-निकासी, भारतीय उद्योगों का पतन और औपनिवेशिक आर्थिक नीतियाँ।
- **लॉर्ड कर्जन की नीतियाँ:** कलकत्ता निगम अधिनियम, 1899; भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904; बंगाल विभाजन, 1905।
- **अकाल एवं महामारी:** ब्रिटिश प्रशासन के प्रति असंतोष में वृद्धि।
- **राजनीतिक निराशा:** उदारवादी तरीकों से अपेक्षित सुधार न मिलना।
- **अंतरराष्ट्रीय प्रेरणा:** 1905 में जापान की रूस पर विजय ने एशियाई राष्ट्रवाद को प्रोत्साहित किया।

3 प्रमुख उग्रवादी नेता



नेता

प्रमुख योगदान

बाल गंगाधर तिलक

स्वराज, स्वदेशी और निष्क्रिय प्रतिरोध के समर्थक

लाला लाजपत राय

पंजाब में राष्ट्रवादी आंदोलन का नेतृत्व

बिपिन चंद्र पाल

स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन के प्रमुख प्रचारक

अरविंद घोष

स्वदेशी और क्रांतिकारी राष्ट्रवाद के समर्थक

4 महत्वपूर्ण तथ्य



लाल
लाला लाजपत राय

+

बाल
बाल गंगाधर तिलक

+

पाल
बिपिन चंद्र पाल

- **लाल-बाल-पाल:** लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल।
- तिलक का प्रसिद्ध कथन: “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।”
- तिलक के समाचारपत्र: केसरी (मराठी) और द मराठा (अंग्रेज़ी)।
- लाला लाजपत राय को पंजाब केसरी कहा जाता है।
- तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी उत्सव के माध्यम से जनजागरण को बढ़ावा दिया।

5 उदारवादी एवं उग्रवादी: अंतर



उदारवादी

उग्रवादी

संवैधानिक सुधारों पर जोर

स्वराज पर अधिक स्पष्ट जोर

प्रार्थना, याचिका एवं प्रतिवेदन

स्वदेशी, बहिष्कार एवं निष्क्रिय प्रतिरोध

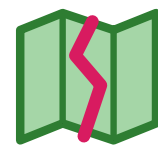
ब्रिटिश न्यायप्रियता में अपेक्षाकृत अधिक विश्वास

औपनिवेशिक शासन के प्रति अधिक अविश्वास

सीमित राजनीतिक दबाव

व्यापक जनभागीदारी को प्रोत्साहन

6 बंगाल विभाजन, 1905



19 जुलाई 1905
घोषणा



16 अक्टूबर 1905
लागू

- **वायसराय:** लॉर्ड कर्जन ।
- विभाजन की घोषणा: 19 जुलाई 1905 । विभाजन लागू: 16 अक्टूबर 1905 ।
- **आधिकारिक तर्क:** प्रशासनिक सुविधा ।
- राष्ट्रवादियों के अनुसार उद्देश्य: राष्ट्रीय आंदोलन को कमजोर करना तथा फूट डालो और शासन करो की नीति को बढ़ावा देना ।
- **नया प्रांत:** पूर्वी बंगाल और असम । राजधानी: ढाका ।

7 स्वदेशी आंदोलन का आरंभ



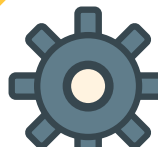
7 अगस्त 1905
टाउन हॉल



16 अक्टूबर 1905
शोक दिवस

- 7 अगस्त 1905 : कलकत्ता के टाउन हॉल में **विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार** का प्रस्ताव पारित किया गया ।
- 16 अक्टूबर 1905 : विभाजन लागू होने के दिन **शोक दिवस** मनाया गया ।
- **स्वींद्रनाथ ठाकुर** ने बंगाल की एकता के प्रतीक के रूप में **राखी बंधन** को प्रोत्साहित किया ।
- **वंदे मातरम्** आंदोलन का प्रमुख राष्ट्रवादी उद्घोष बना ।
- आंदोलन का प्रारंभिक केंद्र बंगाल था, लेकिन इसका प्रभाव **महाराष्ट्र, पंजाब और मद्रास** तक पहुँचा ।

8 प्रमुख कार्यक्रम



बहिष्कार



स्वदेशी



राष्ट्रीय शिक्षा



निष्क्रिय प्रतिरोध

- **बहिष्कार:** विदेशी वस्तुओं, विशेषकर ब्रिटिश वस्त्रों का विरोध ।
- **स्वदेशी:** भारतीय निर्मित वस्तुओं और उद्योगों को प्रोत्साहन ।
- **राष्ट्रीय शिक्षा:** औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था के विकल्प विकसित करना ।
- **निष्क्रिय प्रतिरोध:** अन्यायपूर्ण औपनिवेशिक नीतियों का संगठित विरोध ।
- **जनसभाएँ एवं जुलूस:** राजनीतिक चेतना का विस्तार ।
- **स्वदेशी उद्योग:** भारतीय उद्यम, हस्तशिल्प और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन ।

9 राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन



1906
राष्ट्रीय शिक्षा परिषद



1906
बंगाल नेशनल कॉलेज

- 1906 : बंगाल में **राष्ट्रीय शिक्षा परिषद** की स्थापना हुई ।
- **सतीश चंद्र मुखर्जी** राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन से प्रमुख रूप से जुड़े थे ।
- **बंगाल नेशनल कॉलेज** की स्थापना 1906 में हुई; **अरविंद घोष** इसके प्रथम प्रधानाचार्य बने ।
- राष्ट्रीय शिक्षा का उद्देश्य भारतीय आवश्यकताओं, राष्ट्रीय चेतना और आत्मनिर्भरता पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना था ।

10 स्वदेशी आंदोलन के प्रमुख नेता



क्षेत्र	नेता
बंगाल	बिपिन चंद्र पाल, अरविंद घोष
महाराष्ट्र	बाल गंगाधर तिलक
पंजाब	लाला लाजपत राय, अजीत सिंह
मद्रास	वी. ओ. चिदंबरम पिल्लै, सुब्रमण्यम शिवा

11 कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन, 1906



- **अध्यक्ष:** दादाभाई नौरोजी ।
- कांग्रेस ने **स्वराज** को अपना लक्ष्य घोषित किया ।
- **स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा** को प्रमुखता मिली ।

12 सूरत विभाजन, 1907



1906
कलकत्ता



1907
सूरत विभाजन

- **स्थान:** सूरत, गुजरात । वर्ष: 1907 ।
- कांग्रेस **उदारवादी और उग्रवादी** गुटों में विभाजित हुई ।
- उदारवादी पक्ष के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार: **रास बिहारी घोष** ।
- प्रमुख मतभेद आंदोलन की रणनीति, कार्यक्रम और नेतृत्व को लेकर थे ।
- **परिणाम:** राष्ट्रीय आंदोलन की एकता कमजोर हुई ।

13 प्रमुख क्रांतिकारी संगठन



संगठन	महत्वपूर्ण तथ्य
अनुशीलन समिति	बंगाल का प्रमुख क्रांतिकारी संगठन
युगांतर समूह	बंगाल में क्रांतिकारी गतिविधियों से संबंधित
अभिनव भारत	1904 में विनायक दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित क्रांतिकारी संगठन

- स्वदेशी आंदोलन के दौरान **क्रांतिकारी गतिविधियों** को प्रोत्साहन मिला ।
- **अलीपुर बम कांड** (1908-1909): अरविंद घोष और उनके भाई **बारिंद्र कुमार घोष** से संबंधित प्रमुख मुकदमा ।
- **तिलक** को 1908 में छह वर्ष के कारावास की सजा दी गई और उन्हें **मांडले** भेजा गया ।

14 महत्वपूर्ण घटनाक्रम



वर्ष	घटना
1905	बंगाल विभाजन लागू
1906	कलकत्ता अधिवेशन; स्वराज लक्ष्य घोषित
1907	सूरत विभाजन
1908	मुजफ्फरपुर बम कांड ; तिलक को कारावास
1908-1909	अलीपुर बम कांड का मुकदमा
1909	भारतीय परिषद अधिनियम
1911	बंगाल विभाजन रद्द करने तथा राजधानी दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा

15 मॉर्ले-मिंटो सुधार, 1909



1909
भारतीय परिषद अधिनियम



पृथक निर्वाचन

- **कानून:** भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 ।
- **भारत सचिव:** **जॉन मॉर्ले** । **वायसराय:** **लॉर्ड मिंटो द्वितीय** ।
- विधान परिषदों का विस्तार किया गया ।
- मुसलमानों के लिए **पृथक निर्वाचन व्यवस्था** लागू हुई ।
- यह पूर्ण उत्तरदायी शासन की स्थापना नहीं थी ।

16 बंगाल विभाजन की समाप्ति, 1911



दिसंबर 1911
विभाजन रद्द



कलकत्ता – दिल्ली



1912
नई व्यवस्था लागू

- **दिसंबर 1911** में विभाजन रद्द करने की घोषणा की गई ।
- भारत की **राजधानी कलकत्ता से दिल्ली** स्थानांतरित करने की घोषणा भी इसी वर्ष हुई ।
- नई प्रशासनिक व्यवस्था 1912 से लागू हुई ।
- **भ्रम से बचें:** बंगाल विभाजन 1905 में लागू हुआ और 1911 में रद्द किया गया । राजधानी परिवर्तन की घोषणा 1911 में हुई, जबकि नई व्यवस्था 1912 में लागू हुई ।

17 बिहार विशेष: मुजफ्फरपुर बम कांड, 1908



30 अप्रैल 1908
मुजफ्फरपुर बम



11 अगस्त 1908
खुदीराम को फाँसी

- तिथि: 30 अप्रैल 1908 | स्थान: मुजफ्फरपुर, बिहार ।
- प्रमुख क्रांतिकारी: खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ।
- लक्षित अधिकारी: डगलस किंग्सफोर्ड ।
- बम गलत गाड़ी पर गिरा, जिसमें दो ब्रिटिश महिलाओं की मृत्यु हुई ।
- खुदीराम बोस गिरफ्तार हुए और 11 अगस्त 1908 को मुजफ्फरपुर में फाँसी दी गई ।
- प्रफुल्ल चाकी ने गिरफ्तारी से बचने के दौरान आत्महत्या कर ली ।
- यह घटना भारतीय क्रांतिकारी राष्ट्रवाद के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखती है ।

18 स्वदेशी आंदोलन का प्रभाव



- भारतीय उद्योगों और स्वदेशी उद्यमों को प्रोत्साहन मिला ।
- राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों की स्थापना को बल मिला ।
- विद्यार्थियों और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ी ।
- विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार ने आर्थिक राष्ट्रवाद को मजबूत किया ।
- जनसभाओं, जुलूसों और संगठित प्रतिरोध का विस्तार हुआ ।
- आगे के जन आंदोलनों के लिए राजनीतिक चेतना और संगठनात्मक अनुभव विकसित हुआ ।

19 आंदोलन की सीमाएँ



- ब्रिटिश दमन एवं नेताओं की गिरफ्तारी ।
- कांग्रेस में उदारवादी-उग्रवादी विभाजन ।
- सभी सामाजिक वर्गों में समान स्तर की भागीदारी नहीं हो सकी ।
- व्यापक और निरंतर अखिल भारतीय संगठन बनाए रखने में कठिनाई हुई ।

20 परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तथ्य



प्रश्न में पूछा जा सकता है	सही तथ्य
बंगाल विभाजन किसने किया?	लॉर्ड कर्जन
बहिष्कार प्रस्ताव कब पारित हुआ?	7 अगस्त 1905
बंगाल विभाजन कब लागू हुआ?	16 अक्टूबर 1905
कलकत्ता अधिवेशन, 1906 के अध्यक्ष	दादाभाई नौरोजी
सूरत विभाजन	1907
केसरी के संपादक	बाल गंगाधर तिलक
राष्ट्रीय शिक्षा परिषद	1906, बंगाल
मुजफ्फरपुर बम कांड	खुदीराम बोस एवं प्रफुल्ल चाकी
बंगाल विभाजन रद्द	1911
पृथक निर्वाचन व्यवस्था	भारतीय परिषद अधिनियम, 1909



Extremist Era & Swadeshi Movement



1 Rise of Extremist Nationalism



1905
Beginning



1919
Broader context

- **Period:** The phase beginning around 1905 ; the broader political context is often studied up to 1919 .
- **Main objective:** Swaraj , national self-reliance and active opposition to colonial rule.
- Extremists considered the Moderates' methods of **petitions, prayers and representations** insufficient.
- **Principal methods:** Swadeshi, boycott, national education and passive resistance .

2 Causes of Extremism



Economic exploitation



Curzon's policies



Rise of Extremism

- **Economic exploitation:** Drain of wealth , decline of Indian industries and colonial economic policies.
- **Lord Curzon's policies:** Calcutta Corporation Act, 1899 ; Indian Universities Act, 1904 ; Partition of Bengal, 1905 .
- **Famine and epidemics:** Increased dissatisfaction with British administration.
- **Political disappointment:** Limited results from Moderate constitutional methods.
- **International inspiration:** Japan's victory over Russia in 1905 encouraged Asian nationalism.

3 Major Extremist Leaders



Leader

Major contribution

Bal Gangadhar Tilak

Advocated Swaraj, Swadeshi and passive resistance

Lala Lajpat Rai

Led nationalist activities in Punjab

Bipin Chandra Pal

Promoted Swadeshi and boycott

Aurobindo Ghosh

Supported Swadeshi and revolutionary nationalism

4 Important Facts



Lal
Lala Lajpat Rai



Bal
Bal Gangadhar Tilak



Pal
Bipin Chandra Pal

- **Lal-Bal-Pal:** Lala Lajpat Rai, Bal Gangadhar Tilak and Bipin Chandra Pal.
- Tilak's famous slogan: "Swaraj is my birthright and I shall have it."
- Tilak's newspapers: Kesari in Marathi and The Mahratta in English.
- Lala Lajpat Rai was popularly known as Punjab Kesari .
- Tilak promoted public Ganapati festivals and Shivaji celebrations to encourage political awareness.

5 Moderates vs Extremists



Moderates

Extremists

Emphasized constitutional reforms

Assertively emphasized Swaraj

Prayers, petitions and representations

Swadeshi, boycott and passive resistance

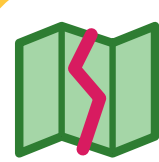
Relatively greater faith in British justice

Greater distrust of colonial rule

Limited political pressure

Encouraged wider public participation

6 Partition of Bengal, 1905



19 July 1905
Announced



16 October 1905
Implemented

- **Viceroy:** Lord Curzon .
- Partition announced: 19 July 1905 . Partition implemented: 16 October 1905 .
- **Official justification:** Administrative convenience.
- Nationalist interpretation: An attempt to weaken the national movement through divide and rule .
- **New province:** Eastern Bengal and Assam . Capital: Dacca (Dhaka) .

7 Beginning of the Swadeshi Movement



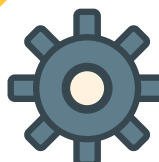
7 August 1905
Town Hall



16 October 1905
Mourning day

- 7 August 1905 : A **boycott resolution** was adopted at Calcutta Town Hall.
- 16 October 1905 : The day of partition was observed as a **day of mourning**.
- **Rabindranath Tagore** promoted **Rakhi Bandhan** as a symbol of Bengal's unity.
- **Vande Mataram** became a prominent nationalist slogan.
- Bengal was the initial centre, but the movement spread to **Maharashtra, Punjab and Madras**.

8 Major Programmes



Boycott



Swadeshi



National
education



Passive
resistance

- **Boycott:** Opposition to foreign goods, particularly British textiles.
- **Swadeshi:** Promotion of Indian-made products and indigenous industries.
- **National education:** Development of alternatives to colonial educational institutions.
- **Passive resistance:** Organized opposition to unjust colonial policies.
- **Public meetings and processions:** Expansion of political awareness.
- **Indigenous industries:** Encouragement of Indian enterprises, handicrafts and domestic production.

9 National Education Movement



1906
National Council of Education



1906
Bengal National College

- 1906 : The **National Council of Education** was established in Bengal.
- **Satish Chandra Mukherjee** was a prominent figure associated with the national education movement.
- **Bengal National College** was established in 1906 , with **Aurobindo Ghosh** as its first principal.
- The objective was to promote education based on Indian needs, national consciousness and self-reliance.

10 Major Regional Leaders



Region

Leaders

Bengal

Bipin Chandra Pal, Aurobindo Ghosh

Maharashtra

Bal Gangadhar Tilak

Punjab

Lala Lajpat Rai, Ajit Singh

Madras

V. O. Chidambaram Pillai, Subramania Siva

11 Calcutta Session, 1906



- President: Dadabhai Naoroji .
- The Congress declared Swaraj as its goal.
- Swadeshi, boycott and national education received prominence.

12 Surat Split, 1907



1906
Calcutta



1907
Surat Split

- Place: Surat, Gujarat . Year: 1907 .
- The Congress divided into Moderate and Extremist factions.
- Moderate candidate for Congress president: Rash Behari Ghosh .
- Major disagreements concerned political methods, programmes and leadership.
- Consequence: The unity of the national movement weakened.

13 Major Revolutionary Organizations



Organization	Important fact
Anushilan Samiti	Major revolutionary organization in Bengal
Jugantar group	Associated with revolutionary activities in Bengal
Abhinav Bharat	Revolutionary organization founded by Vinayak Damodar Savarkar in 1904

- Revolutionary activities gained momentum during the Swadeshi period.
- Alipore Bomb Case (1908–1909): A major trial associated with Aurobindo Ghosh and his brother Barindra Kumar Ghosh .
- In 1908 , Tilak was sentenced to six years' imprisonment and deported to Mandalay .

14 Important Chronology



Year	Event
1905	Partition of Bengal implemented
1906	Calcutta Session; Swaraj declared as the goal
1907	Surat Split
1908	Muzaffarpur Bomb Case ; Tilak imprisoned
1908–1909	Alipore Bomb Case trial
1909	Indian Councils Act
1911	Annulment of Bengal partition and transfer of capital to Delhi announced

15 Morley–Minto Reforms, 1909



1909
Indian Councils Act



Separate electorates

- Legislation: Indian Councils Act, 1909 .
- Secretary of State for India: John Morley . Viceroy: Lord Minto II .
- Legislative councils were expanded.
- Separate electorates for Muslims were introduced.
- The reforms did not establish fully responsible government.

16 Annulment of Bengal Partition, 1911



December 1911
Partition annulled



Calcutta → Delhi



1912
New arrangement

- The decision to annul the partition was announced in December 1911 .
- The transfer of India's capital from Calcutta to Delhi was also announced in 1911.
- The new administrative arrangement took effect in 1912 .
- Avoid confusion: Bengal was partitioned in 1905 and the partition was annulled in 1911 . The capital transfer was announced in 1911, while the new arrangement took effect in 1912 .

17 Bihar: Muzaffarpur Bomb Case, 1908



30 April 1908
Muzaffarpur bomb



11 August 1908
Khudiram executed

- Date: 30 April 1908 . Place: Muzaffarpur, Bihar .
- Revolutionaries: Khudiram Bose and Prafulla Chaki .
- Intended target: Douglas Kingsford .
- The bomb struck the wrong carriage, killing two British women.
- Khudiram Bose was arrested and executed at Muzaffarpur on 11 August 1908 .
- Prafulla Chaki died by suicide while evading arrest.
- The incident occupies an important place in the history of Indian revolutionary nationalism.

18 Impact of the Swadeshi Movement



- Encouraged indigenous industries and Indian enterprises.
- Promoted the establishment of national educational institutions.
- Increased political participation among students and women.
- Strengthened economic nationalism through the boycott of foreign goods.
- Expanded public meetings, processions and organized resistance.
- Developed political awareness and organizational experience for later mass movements.

19 Limitations of the Movement



- British repression and arrests of nationalist leaders.
- The Moderate-Extremist split within Congress.
- Uneven participation across social groups.
- Difficulty in sustaining a unified, continuous, nationwide movement.

20 Important Facts for Objective Questions



Likely examination question

Correct fact

Who partitioned Bengal?

Lord Curzon

When was the boycott resolution adopted?

7 August 1905

When was Bengal partition implemented?

16 October 1905

President of the 1906 Calcutta Session

Dadabhai Naoroji

Surat Split

1907

Editor associated with Kesari

Bal Gangadhar Tilak

National Council of Education

Bengal, 1906

Muzaffarpur Bomb Case

Khudiram Bose and Prafulla Chaki

Annulment of Bengal Partition

1911

Separate electorates

Indian Councils Act, 1909